

डा. विमला कर्णाटक

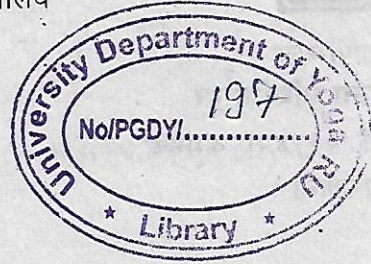
पातञ्जलयोगदर्शनम्

# पातञ्जलयोगदर्शनम्

तत्त्ववैशारदी-योगवार्त्तिकेतिटीकाद्वयोपेतं व्यासभाष्यम्  
(सपाठभेदबालप्रियाऽऽख्यहिन्दीव्याख्यया विभूषितम्)  
(खण्डचतुष्टय)

प्रथम खण्ड  
समाधिपाद

व्याख्याकर्त्री एवं सम्पादिका  
डॉ विमला कर्णाटक  
संस्कृत विभाग  
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय



काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी  
एवं  
रत्ना पब्लिकेशन्स, वाराणसी  
१९९२



## संक्षिप्त विषयानुक्रमणी

सन्देश (Message)	श्री अर्जुन सिंह	
प्राक्कथन	प्रो. चन्द्रशेखर झा	
सादर नमन		II-III
ग्रन्थ परिचय (Introduction)		IV-V
पाण्डुग्रन्थविशेष		VII-IX
भूमिका		X
समाधिपाद (प्रथम खण्ड)		1-7
साधनपाद (द्वितीय खण्ड)		1-56
विभूतिपाद (तृतीय खण्ड)		563-1071
कैवल्यपाद (चतुर्थ खण्ड)		1071-1483
परिशिष्ट		1483-1727
पारिभाषिकपदलक्षिणी वाक्यमाला		1727-1767
उद्धरणमाला		1727-1735
सूत्रानुक्रमणी		1736-1757
चित्रपट्ट		1758-1767

